सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 6
अंक : 67
अगस्त : 2015

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | सकारात्मक सोच व आस्था

10 | समसामयिकी घटना संग्रह

11 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- एचडीएफसी बैंक ने मोबाइल फोन एप्लीकेशन पेजेप लांच किया
- केन्द्र सरकार ने चेन्नई में प्रवासी संसाधन केन्द्र आरम्भ किया
- केयर्न इंडिया एवं वेदांता के विलय को मंजूरी

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- राजस्थान की सीएम वसुंधरा राजे ने जयपुर मेट्रो रेल सेवा के प्रथम चरण का उद्घाटन किया
- भारतीय निर्वाचन आयोग ने नेशनल पीपुल्स पार्टी की मान्यता निलंबित की
- केन्द्र सरकार ने सूखाग्रस्त क्षेत्रों में मनरेगा के तहत् कार्य दिवसों की संख्या में वृद्धि की

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 21 जून को पूरे विश्व में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया
- भारत, भूटान, बांग्लादेश और नेपाल मोटर वाहन समझौते पर हस्ताक्षर
- ब्रिटेन ने मैग्ना कार्टा की 800वीं वर्षगाँठ मनाई

30 | खेल खिलाड़ी

- फोर्ब्स पत्रिका ने 100 धनी खिलाड़ियों की सूची जारी की
- सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वी.वी.एस. लक्ष्मण बीसीसीआई की सलाहकार समिति में शामिल
- हरभजन सिंह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले नौवें गेंदबाज बने
- फीफा रैंकिंग में भारत 141वें स्थान पर
- राफेल नडाल ने तीसरी बार स्टटगार्ट खिताब जीता

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 | औद्योगिक लेख–पर्यावरण कानूनों की अनदेखी

39 | समसामयिक लेख–(i) गंदे जल के शोधन एवं बिक्री की होड़

40 | (ii) मासूमों की दुर्दशा पर चुप्पी

41 | प्रदूषण लेख–प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की विफलता

वार्षिक रिपोर्ट 2013–14

84 | सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, प्रोग्राम्स तथा नई स्कीम्स के बढ़ते चरण–पर्यवलोकन

87 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

89 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक 64 का परिणाम

90 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

43 आर.आर.सी. (हाजीपुर) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के सहयोगी बैंक लिपिकीय संवर्ग परीक्षा, 2015

49 तर्कशक्ति

53 General English

56 संख्यात्मक अभियोग्यता

61 सामान्य ज्ञान

64 मार्केटिंग कौशल एवं कम्प्यूटर सचेतता

68 उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल भर्ती परीक्षा, 2015 हेतु विशेष हल प्रश्न

75 उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक लिमिटेड परीक्षा, 2015

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन

➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : **2/11**-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–**2**

➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–**282 005**
फोन– **4053333, 2531101, 2530966**
फैक्स– **(0562) 4053330, 4031570**
ई-मेल: सम्पादकीय: **publisher@pdgroup.in**
कस्टोमर केयर: **care@pdgroup.in**

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–**110 002**
फोन– **011-23251844/66**

➲ **पटना ऑफिस**
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–**800 003**
फोन–**0612-2673340**
मो–**09334137572**

➲ **कोलकाता ऑफिस**
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– **700 004**
फोन– **033-25551510**
मो– **07439359515**

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–**500 044**
फोन– **040-66753330**
मो– **09391487283**

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– **263139** (उत्तराखण्ड)
मो– **07060421008**

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– **226 004**
फोन– **0522-4109080**
मो– **09760181118**

सकारात्मक सोच व आस्था

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

सकारात्मक सोच व्यक्ति को ऊँचाइयों की ओर ले जाती है, क्योंकि ऐसे व्यक्ति नीचे की ओर नहीं देखते, निम्नतर कार्य नहीं करते, मन-कर्म-वाणी से किसी का अहित नहीं करते.

सकारात्मक सोच दो तरह की है. एक को सकारात्मक संज्ञानात्मक अवस्था व दूसरे को सकारात्मक भावनाशील अवस्था कहा जा सकता है. सकारात्मक संज्ञानात्मक अवस्था वह स्थिति है, जिसमें भीतरी वृत्तियों का संस्कार, जेहन में जमी दृढ़ भावना. घनीभूत संस्कार प्रवाह से जब कोई इंसान आशावादी होता है, आत्मविश्वास से लबरेज जीता है, जिसके व्यक्तित्व में साहस स्व पर योग्यता पर आस्था एवं इष्ट के प्रति अविचल समर्पण होता है, वह सकारात्मक संज्ञान वाला है. ऐसे व्यक्तित्व में प्रज्ञा का जागरण आसानी से हो जाता है. ऐसा व्यक्ति जीवन के अप्रकट आयामों में आसानी से गति करता हुआ विविध कलाओं व वैज्ञानिक तथ्यों का सृजक, अन्वेषक व उद्घाटक बन जाता है. प्रायः ऐसा व्यक्ति ही मानव रत्न हो पाता है. अपनी दैविक विशेषताओं के कारण वह अनेक लोगों का प्रिय, प्रेरक व मार्गदर्शक भी बन पाता है. सकारात्मक संज्ञान अवस्था में सतत् जीने वाला एवं अपनी योग्यताओं के जीवंत प्रवाह को अनुभव करने वाला व्यक्ति एक दिन 'दृष्टाभाव' को भी उपलब्ध हो जाता है. वह जीवन की हर प्रतिकूल परिस्थिति को खेल के समान जीता है, न तो घबराता है, न ही कभी पलायन की सोचता है. उसमें सबको साथ लेकर चलने की भी अद्भुत क्षमता व भावना होती है. ऐसे व्यक्ति अपने जीवन के जिस भी कार्य क्षेत्र में हों, जिस भी उम्रे-दौर से गुजर रहे हों, ये सदैव बहुआयामी प्रतिभा को प्राप्त करते रहते हैं. हाँ, इतना अवश्य है कि ऐसे लोगों को भी अनेक फिसड्डी, कायर, कमजोर व निंदक वृत्ति वाले लोगों की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता है. क्योंकि यह मनोवैज्ञानिक सत्य है कि जो लोग स्वयं कुछ सृजन कर नहीं पाते, अपने आप से सन्तुष्ट नहीं होते, वे लोग अन्य सफल व प्रसिद्ध लोगों की आलोचना करके अपने दंभ का पोषण करते हैं. अक्सर पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की कमियाँ ढूँढ़ने में लगे रहते हैं. सकारात्मक आस्था वाला इंसान हर विपरीतता को सुरीतता में बदलता रहता है. वह अपने धैर्य, आस्था व सद्भावपरक व्यवहार से सब प्रकार के माहौल से आसानी से पार हो जाता है. सकारात्मक भावनाशील लोग, वे होते हैं जो सुन्दर उपदेशों को सुनकर या पढ़कर एकदम से आन्दोलित हो जाते हैं. कुछ घण्टे या कुछ दिन तक स्वयं भी सकारात्मक सोचते हैं, परन्तु कुछ दिन के बाद पुनः आदतन नकारात्मक चक्रव्यूह के घेरे में गिर जाते हैं. ऐसे लोग अधिक हैं इस दुनिया में, यही कारण है कि इंसान को बार-बार धार्मिक उपदेशों की प्रेरणापरक बातों की, सुन्दर दृष्टांतों की जरूरत पड़ती है.

यही कारण है कि जैन दर्शन 'श्रद्धान' की बात करता है. जैन दर्शन कहता है कि मात्र सोच को ही सम्यक बनाने से काम नहीं चलेगा, हमारा श्रद्धान भी सम्यक् हो. श्रद्धान शब्द का अर्थ है—दर्शन का सत्य होना. अनुभूति में आस्था होना. गीता दर्शन कहता है कि जिसकी अनुभूति में आस्था है, धर्म में जिसकी मति दृढ़ है वही 'स्थितप्रज्ञ' होता है. सम्यक् दर्शन या स्थितप्रज्ञ अवस्था भीतर में घटित उस अवस्था को कहते हैं, जब एक इंसान में कहीं कोई चाह, उलाहना, शिकायत, उलझन व आकांक्षा शेष नहीं रहती.